जागरण : सीहोर : शाजापुर : देवास

www.dainikjagranmpcg.com | आष्टा • भैरुंदा • बुधनी • बैरछा • शुजालपुर • सोनकच्छ • कालापीपल • हाटपीपल्या • खातेगांव | सीहोर, 13 फरवरी 2026

न्यूज कार्नर

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट

सीहोर। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिल जायेगी।परिवहन आयुक्त द्वारा प्रदेश के सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें।केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनिक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे हैं। कार्ड के माध्यम से दिव्यांग केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। यूडीआईडी कार्ड निर्माण में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है।

मां का दूध शिशु की सुरक्षा का पहला टीका

सीहोर। माँ का दूध शिशु की सुरक्षा का पहला टीका है। यह शिशु के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह आवश्यक पोषक तत्व से परिपूर्ण होता है साथ ही शिशु में रोग-प्रतिरोधक क्षमता के विकास में सहायक है। सही समय में और उचित अवधि तक स्तनपान शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में सहायक होगा। माताएं जन्म के 1 घंटे के भीतर नवजात शिशु को स्तनपान प्रारंभ कर दें। नवजात शिशु जन्म से पहले छः माह तक केवल स्तनपान कराया जाना चाहिए। इसके बाद ही पूरक आहार की शुरुआत की जानी चाहिये। शिशु के 2 वर्ष होने तक स्तनपान जारी रखना चाहिये। जन्म के 1 घंटे के भीतर स्तनपान की शुरुआत 41.3 प्रतिशत हुई है। स्वास्थ्य संस्था में स्तनपान प्रोत्साहन से जुड़ी कमियों का आंकलन, कमियों के निवारण के लिये संसाधन एवं उपलब्ध मॉनिटरिंग टूल का उपयोग, स्तनपान प्रोत्साहन हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार एवं सतत् निगरानी सुनिश्चित करना शामिल है।

ठेकेदार को देना होगा सवा लाख हर्जाना

सीहोर। लापरवाही पूर्वक घटिया भवन निर्माण करने के मामले में जिला उपभोक्ता फोरम ने सीहोर के ठेकेदार को दोषी पाकर सवा लाख रुपए का हर्जाना मालिक को दिलाने के आदेश दिए हैं। इन दिनों भवन निर्माण के लिए मटेरियल के साथ भवन निर्माण करने का कार्य ठेकेदार एवं इंजीनियरिंग द्वारा शहर में तेजी से किया जा रहा है इसी तर्ज पर सीहोर के विश्वनाथ शर्मा आत्मज मथुरा प्रसाद शर्मा निवासी भोपाल नाका सीहोर ने अपने भवन निर्माण का कार्य यूनिक एसोसिएट इंजीनियर आर्किटेक्ट एंड बिल्डर अंशुल जैन को दिया था इसके लिए उन्होंने एक एग्रीमेंट भी किया था लेकिन निर्माण एजेंसी ने एक तो निर्माण कार्य बहुत देरी से पूर्ण किया इसके अलावा निर्माण कर में अनेक कमियां थी घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था ठेकेदार की अनेक कमियों को लेकर विश्वनाथ शर्मा ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग सीहोर में याचिका दायर की थी आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद लिए 5000 की क्षतिपूर्ति राशि परिवादी को अदा करने के आदेश दिए हैं आदेश दिनांक से राशि अदायगी तक नो प्रतिशत व्याज राशि भी देना होंगी।

कलेक्टर एवं एसपी ने देखी व्यवस्थाएं, कमियां दूर करने के लिए निर्देश, आने वाले श्रद्धालुओं को न हो परेशानी इसका रखा जाए विशेष ध्यान

देशभर के 12 सौ सेवादार रखेंगे रुद्राक्ष महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं का ध्यान, वाहन पार्किंग के साथ ही किराया निर्धारित

जागरण, सीहोर। कुबेरेश्वर धाम में आगामी 14 फरवरी से रुद्राक्ष महोत्सव का आगाज होने जा रहा है, यह महोत्सव 20 फरवरी तक चलेगा। इसके लिए श्री विठ्ठलेश सेवा समिति और प्रशासन ने इस आयोजन के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं। महोत्सव को लेकर दो दिन पहले से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। वहीं जिला प्रशासन ने आयोजन की सफलता के लिए सैकड़ों की संख्या में अधिकारियों और पुलिस बल तैनात किया है, इसके अलावा विठलेश सेवा समिति ने भी यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के भोजन और अन्य व्यवस्था के लिए देशभर से चयनित 12 सौ से अधिक सेवादार श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर रहेंगे। सेवा के लिए व्यवस्था की है। विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव आयोजित होगा। इसमें दुनिया भर के शिवभक्त शामिल होंगे। कथा के लिए स्थाई रूप से एक लाख 80 हजार स्कावर फीट का पंडाल तैयार किया गया है। अनुमान के मुताबिक, करीब एक लाख श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा भी तीन पंडाल लगाए गए है ताकि किसी को भी खुले आसमान के नीचे बैठकर कथा सुनने को मजबूर न होना पड़े। आयोजन स्थल पर ऐसी तैयारियां की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न उठाना पड़े।

पार्किंग के लिए विशेष व्यवस्था तय

रुद्राक्ष महोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासन द्वारा यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक एवं विशेष प्रबंध किए गए हैं। भोपाल-इंदौर मार्ग स्थित मुख्य हाईवे के दोनों ओर ऑटो एवं बस स्टैंड चिन्हित किए गए हैं। ये अस्थायी स्टैंड लगभग 8 से 10 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में यात्री वाहनों की पार्किंग की पर्याप्त क्षमता उपलब्ध रहेगी। पहला ऑटो, बस स्टैंड फूल मोगरा जोड़ पर तथा दूसरा ऑटो स्टैंड गुडभेला जोड़ पर निर्धारित किया गया है। प्रशासन द्वारा सभी ऑटो, बस, वैन एवं अन्य यात्री वाहनों के चालकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने वाहन निर्धारित ऑटो, बस स्टैंड में ही पार्क करते हुए श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को उतारें, ताकि मुख्य हाईवे सुचारू एवं अवरोध-मुक्त बना रहे। इसी क्रम में महोत्सव अवधि के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने हेतु 10 अलग-अलग वाहन पार्किंग स्थल भी चिन्हित किए गए हैं।

चाक-चौबंद व्यवस्था बनाने में जुटा प्रशासन

कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में स्थित कार्यक्रम स्थल तक के रास्ते पर सभी आवश्यक व्यवस्था करने के लिए एसडीएम और पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए जा चुके है। कार्यक्रम स्थल पर चाक-चौबंद व्यवस्था के लिए अधिकारियों को कहा गया। उन्होंने बताया कि इस साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु भव्य महोत्सव में शामिल होंगे। जिसको लेकर प्रशासन व्यवस्था पूरी कर चुका है। महाराष्ट्र से आ रहे हैं 500 से अधिक स्वयंसेवक और इसके अलावा अखंड हिंद फौज बालक-बालिका भी रहेंगे तैनात मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित प्रसिद्ध कुबेरेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित भव्य शिवपुराण कथा और रुद्राक्ष महोत्सव 2026 के लिए सेवाभावी सदस्यों का उत्साह चरम पर है। आगामी 14 से 20 फरवरी तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में देश के विभिन्न कोनों से भक्तों का तांता लगेगा, जिनकी सुविधा और सेवा के लिए महाराष्ट्र से एक विशाल जत्था रवाना हो रहा है। सेवा ही परम धर्म' का संकल्प श्री शिवाय नमस्तुभ्यं सेवाभावी ग्रुप संस्था के अध्यक्ष देविदास पाटिल और उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनवणे के कुशल मार्गदर्शन में मालेगांव, नासिक और जलगांव सहित महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक सदस्य सीहोर पहुंचेंगे।

आयोजन में रहेंगी विशेषताएं और व्यवस्थाएं

स्वयं का खर्च इस ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सभी सदस्य अपने व्यक्तिगत खर्च पर कथा स्थल तक यात्रा करते हैं। ग्रुप का एक निर्धारित ड्रेस कोड है, जिससे सेवा कार्य में एकरूपता और अनुशासन बना रहता है। बड़ा नेटवर्क वर्तमान में इस संस्था से महाराष्ट्र और देश के अन्य राज्यों के 1,000 से अधिक सदस्य जुड़ चुके हैं। शिवपुराण कथा में सेवा देने के लिए मालेगांव के सदस्यों में विशेष उत्साह है। ग्रुप के पदाधिकारियों—सचिव कुणाल भावसार, सेक्रेटरी ऋषिकेश भंडारी, सदस्य जनार्दन धनवटे और पत्रकार प्रा. दिलीप एस. सोनवणे ने संयुक्त रूप से जानकारी दी।

अस्थायी रूप से बंद रहेगा रुद्राक्ष वितरण

कुबेरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं को वितरित किए जाने वाले रुद्राक्ष का वितरण अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। विठ्ठलेश सेवा समिति, कुबेरेश्वर धाम सीहोर द्वारा जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार धाम में 15 जनवरी से 15 मार्च तक रुद्राक्ष वितरण पूर्णतः स्थगित रहेगा। समिति द्वारा यह भी अवगत कराया गया है कि दिनांक 14 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान भी रुद्राक्ष का वितरण नहीं किया जाएगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय महोत्सव की व्यवस्थाओं, भीड़ नियंत्रण तथा आयोजन की तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए लिया गया है, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

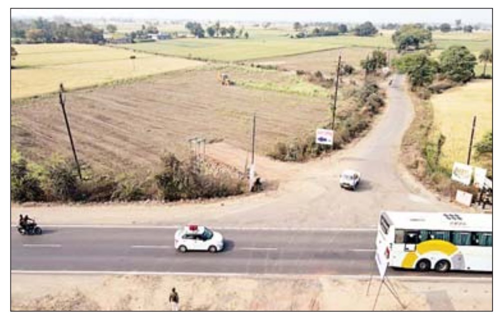

कलेक्टर ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

कलेक्टर बालागुरु के. और एसपी दीपक शुक्ला ने कुबेरेश्वर धाम पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं मूलभूत व्यवस्थाओं की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि धाम परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, पार्किंग, यातायात नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं में निरंतरता बनाए रखने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

महाशिवरात्रि पर ग्राम शाहपुर कौड़िया में किया जाएगा महाप्रसादी का वितरण

जागरण, सीहोर। ग्राम शाहपुर कौड़िया में भव्य कलश यात्रा के साथ पंच दिवसीय एक कुण्डीय शिव शक्ति यज्ञ एवं ऋणमुक्तेश्वर महादेव प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का श्रीगणेश हो गया है। गुरुवार को महोत्सव के अंतर्गत यज्ञाचार्य पंडित राहुल पाठक के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने 1803 हवन में वेद मंत्रों के साथ आहुतियां दी। मंदिर के पुजारी पंडित धर्मेन्द्र व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि को देवता, पूजन, प्राण प्रतिष्ठा के साथ महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हवन पुष्पाधिवास, फलाधिवास आदि धार्मिक अनुष्ठान किए जाऐंगे। हवन सात बजे से 12 बजे और दोपहर तीन बजे से आरंभ हो जाता है। उन्होंने बताया कि हवन वातावरण को शुद्ध करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि हवन के लिए आम की लकड़ी, बेल, नीम, पलाश का पौधा, कलीगंज, देवदार की जड़, गूलर की छाल और पत्ती, पीपल की छाल और तना, बेर, आम की पत्ती और तना, चंदन की लकड़ी, तिल, जामुन की कोमल पत्ती, अश्वगंधा की जड़, तमाल यानि कपूर, लौंग, चावल, ब्राम्ही, मुलैठी की जड़, बहेड़ा

का फल और हर्रे तथा घी, शकर जौ, तिल, गुगल, लोभान, इलायची एवं अन्य वनस्पतियों का बूरा उपयोगी होता है। हवन होने के बाद इसकी राख को घर के चारों तरफ छिड़क दें। इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है। आर्थिक जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए हवन कराना चाहिए।

विदेशी बीमा कंपनियां भारत छोड़ो, संपत्ति बेचना बंद करो, कर्मचारी रहे हड़ताल पर

जागरण, सीहोर। देश के दस केंद्रीय कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर गुरूवार को भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। हड़ताली कर्मचारियों ने जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों के द्वारा देश की संपत्ति बेचना बंद करो, काली श्रम संहिता वापस लो, काली श्रम संहिताऐं देश की जनता के साथ धोखा, बीमा में सौ प्रतिशत विदेशी निवेश वापस लो, एलआईसी के शेयर बेचना बंद करो, नई भर्ती तत्काल शुरू करो, विदेशी बीमा कंपनियां भारत छोड़ो, देश हमारा विदेशी नीति नहीं चलेगी जैसे नारे लगाए गए।

देश की सरकार ने श्रम संहिताओं को लागू करके यह दिखा दिया है कि वह पूंजीपतियों के साथ खड़ी है। देश की जनता की खिलाफत में सरकार मजदूरों के शोषण तंत्र हमें किसी कीमत पर भी मंजूर नहीं है। आठ घंटे से अधिक काम करवाना महिलाओं को रात्रि पाली में काम की अनुमति देना मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी से भी महरूम करना। सरकार की यह मंशा हमें किसी कीमत पर मंजूर नहीं है जब तक श्रम संहिताएं वापस नहीं होती है आंदोलन आगे भी होते होंगे।

यूनियन के सचिव अंकित श्रीवास्तव ने कहा कि हमें एकजुट रहकर संघर्ष करना होगा और हमारी एकता के बल पर ही हम सरकार को परास्त कर सकते हैं। यूनियन अध्यक्ष गणेश प्रसाद ने कहा कि हम सरकार के देश घाती निर्णय के आगे झुकने वाले नहीं हैं हम अपनी मांगों के पूरा होने तक संघर्ष करते रहेंगे । देश हमारा अंबानी की नीति नहीं चलेगी,मजदूरों पर हमले बंद करने होंगे।

हड़ताल से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्य प्रभावित, केंद्रीय श्रमिक विरोधी कानूनों की गई तीव्र निंदा

आशा-ऊषा कार्यकर्ता पहुंचीं कलेक्ट्रेट, मांगों का सौंपा ज्ञापन

जागरण, सीहोर। केंद्र सरकार द्वारा काली श्रम संहिताए लागू करने ने खिलाफ गुरूवार को देश व्यापी आहवान पर आशा-ऊषा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक एक दिवसीय हड़ताल पर रही। आशा-ऊषा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक के हड़ताल पर होने से जिले भर में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु को रोकने, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन कार्यक्रम, टीकाकरण, बीमारियों के रोकथाम, स्वास्थ्य जागरूकता के लिये चलाए जाने वाले सभी कार्यक्रम बुरी तरह प्रभावित रहे। बड़ी संख्या में आशा-ऊषा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक कलेक्ट्रेट पहुंची और मांगों को लेकर डिप्टी कलेक्टर जमील खान को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन दिया।

आशा-ऊषा कार्यकर्ता व आशा पर्यवेक्षकों ने केंद्र सरकार द्वारा काली श्रम संहिताए लागू करने के खिलाफ केन्द्रीय श्रमिक संगठनों व औद्योगिक फेडरेशनों के गुरूवार को राष्ट्व्यापी हड़ताल में अपना पूर्ण समर्थन दिया। केंद्र सरकार के इस घोर श्रमिक विरोधी कदम की तीव्र निंदा करते हुए इन श्रम संहिताओं को तत्काल वापस लेने तथा आशा-ऊषा कार्य्रकर्ता व आशा पर्यवेक्षक समेत सम्पूर्ण श्रमिक वर्ग को श्रम कानूनों का पूर्ण लाभ एवं न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, कार्य स्थल पर सामाजिक सुरक्षा देने की मांग की गई।

आशा-उषा कार्यकर्ता व आशा पर्यवेक्षकों ने कहा कि मध्य प्रदेश में आशा एवं पर्यवेक्षकों का भुगतान की स्थिति बहुत ही दयनीय है। अधिकांश जिलों में पिछले तीन-तीन महीनों का भुगतान नहीं किया गया है। हम संगठनों द्वारा इस बात को बार बार उठाने के बाद भी कुछ आंशिक भुगतान ही किया गया है, वह भी कुछेक जिलों में ही। इसी तरह अधिकांश इकाइयों में प्रोत्साहन राशि का भुगतान भी काफी बकाया है। आशा एवं पर्यवेक्षक फील्ड में नियमित रूप से काम करती है। राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में इन योजना कर्मियों को श्रमिक का दर्जा न्यूनतम वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ देने का निणज़्य लिया लेकिन इन्हे कर्मचारी का दर्जे से वंचित कर आशाओं के सारे अधिकारों को देने से इनकार किया जाता है। प्रदर्शन में बड़ी संख्सा में आशा-उषा कार्यकर्ता व आशा पर्यवेक्षक शामिल रही।

आशा-उषा कार्यकर्ता व आशा पर्यवेक्षकों के द्वारा चार काली श्रम संहिताओं को तत्काल वापस लिया जाने,। सम्पूर्ण श्रमिक वर्ग को श्रम कानूनों का पूर्ण लाभ दिया जाने,सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाने, वेतन प्रोत्साहन राशि के सभी बकाया राशियों का तुरंत भुगतान किया जाने,केंद्र सरकार द्वारा बढाये गए 1500 रुपये की राशि का एरियर सहित देने, वेतन / प्रोत्साहन राशि का प्रत्येक माह के 5 तारीख तक नियमित रूप से भुगतान करने, ऑनलाईन कार्य हेतु बेहतर क्वालिटी का (5-जी) मोबाइल टैब उपलब्ध कराया जाने,अतिरिक्त मानदेय का भुगतान किया जाने,प्रदेश के आशाओं का रोका गया टीम बेस्ड इंसेंटिव का तुरंत भुगतान किया जाने सहित अन्य मांगे की गई।

19 को सीहोर में लगेगा अप्रेंटिसशिप मेला

सीहोर। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय सीहोर में युवा रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला डॉ. अंबेडकर शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित किया गया है, जो युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के माध्यम से स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा नवीन प्रकरण भी स्वीकार किए जाएंगे। अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन कर योग्य युवाओं का चयन किया जाएगा।

न्यूज कार्नर

शिवरात्रि पर म्यूजिक एल्बम होगा लॉन्च

जागरण बुधनी। बुधनी के युवा सिंगर अचल दुबे उर्फ अचल पुजारी महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अपना नया म्यूजिक एल्बम लॉन्च करने जा रहे हैं। एल्बम का प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक और इंस्टाग्राम सहित उनकी आधिकारिक वेबसाइट पर रिलीज़ होते ही चर्चा में आ गया हैइस म्यूजिक एल्बम की खास बात यह है कि इसे नगर की दो बेटियों काव्या ठाकुर एवं विदुषी तिवारी पर फिल्माया गया है। दोनों कलाकार एल्बम में भगवान शिव और माता पार्वती की भूमिका में नजर आएंगी, जिससे एल्बम को धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा भी मिली है।

कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के अंतर्गत लायंस क्लब भैरूंदा के नवीन क्लब का संस्थापन एवं शपथ ग्रहण समारोह आज शुक्रवार 13 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्थानीय भारतीय विद्या मंदिर इंटरनेशनल स्कूल सीहोर रोड पर शाम 6 बजे संपन्न होगा। जिसमें लायंस क्लब के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शिरकत करेंगे। इस समारोह के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एम.जे.एफ. लायन प्रवीण वशिष्ठ होंगे। जबकि संस्थापन अधिकारी के रूप में रीजन चेयरपर्सन एम.जे.एफ. लायन डॉ. शिरीष अग्रवाल और इंडक्शन ऑफिसर के रूप में जोन चेयरपर्सन पी.एम.जे.एफ. डॉ. शैलेन्द्र नेमा उपस्थित रहकर नवीन सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। क्लब की नवीन कार्यकारिणी के अध्यक्ष राकेश वर्मा, सचिव प्रबल अग्रवाल और कोषाध्यक्ष सुलभ श्रीवास्तव अपने पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस पूरे आयोजन की कमान आयोजन समिति के अध्यक्ष एम.जे.एफ. लायन विनय यादव और स्पॉन्सर क्लब अध्यक्ष लायन डॉ. श्रवण कुमार मालवीय संभाल रहे हैं।

एकादशी पर उमड़ेगा आस्था का सैलाब

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। नगर की गोकुलधाम कॉलोनी स्थित श्री श्याम मंदिर में आगामी 13 फरवरी शुक्रवार को विजया एकादशी के अवसर पर विशाल श्री श्याम अरदास संकीर्तन का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस उत्सव को लेकर श्याम प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है और मंदिर समिति द्वारा इसकी तैयारियां जोर-शोर से पूरी की जा रही हैं। आयोजन की शुरुआत रात्रि 8 बजे ज्योति प्रज्वलन के साथ होगी। जिसके बाद रात्रि 10 बजे बाबा को विशेष भोग लगाया जाएगा और देर रात 11 बजे महाआरती संपन्न होगी। भजन संध्या में भजन गायक सुजीत यदुवंशी भैरुंदा और खातेगांव के उभरते कलाकार कृष्णा गुर्जर बछखाल अपनी मधुर वाणी से भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। बाबा श्याम के अलौकिक श्रृंगार की सेवा इटावा के धर्मेंद्र राजपूत द्वारा दी जाएगी। जबकि संगीत पक्ष को मुदित म्यूजिकल ग्रुप मजबूती प्रदान करेगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान सुकरवास निवासी राजेश मीणा होंगे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कल से

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। क्षेत्र के गांव सिराली में धार्मिक महोत्सव के तहत श्री हनुमान मंदिर परिसर में शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शनिवार 14 फरवरी से शुरू होगा। आयोजन की शुरुआत शनिवार 14 फरवरी को प्रातः 10 बजे कलश यात्रा के साथ होगी। जिसके पश्चात दोपहर 1 बजे जलाधिवास एवं अन्नाधिवास की परंपराएं संपन्न की जाएंगी। महोत्सव के दूसरे दिन रविवार 15 फरवरी को मुख्य समारोह आयोजित होगा। जिसमें विधि-विधान के साथ शिवलिंग एवं शिव परिवार की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन सोमवार 16 फरवरी को प्रातः 11 बजे से विशाल भंडारे और प्रसादी वितरण का आयोजन रखा गया है। आयोजक अशोक कुमार, राजेश कुमार, हरिगोपाल खण्डेलवाल ने इस अवसर पर उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने और महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

सुखतवा कॉलेज में 18 को रोजगार मेला

जागरण, इटारसी। जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वावलंबन की राह दिखाने के लिए एक बड़े युवा संगम - रोजगार मेले का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय के तत्वावधान में 18 फरवरी को होगा। रोजगार मेले का आयोजन भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा के परिसर में किया जाएगा।

मक्के की पत्ती का भूसा खिलाकर की जा रही खानापूर्ति

गौशाला में गौ माता कुपोषण की शिकार जमीनी हकीकत से मुंह मोड़ रहे जिम्मेदार

जागरण, रेहटी। बुधनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आंवली घाट मे स्थित गौशाला में गौमाताओं की हालत लगातार चिंताजनक होती जा रही है। हैरानी की बात यह है कि गौशाला की बदहाल स्थिति को लेकर खबरें प्रकाशित होने और सोशल मीडिया पर वीडियो-तस्वीरें वायरल होने के बावजूद प्रशासन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सका है। वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में साफ नजर आ रहा है कि गौशाला में मौजूद गायें अत्यंत कमजोर, कुपोषित और बीमार अवस्था में हैं। उनकी हालत देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि उन्हें भरपूर चारा-पानी और पोषणयुक्त खुराक नहीं मिल रही है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार गौशाला में कार्यरत कर्मचारियों ने स्वयं स्वीकार किया है कि चारा नहीं मिलने के कारण गायों में कमजोरी बढ़ रही है और इसी कारण मौतें भी हो रही हैं। हाल ही में जब पत्रकारों की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी तो वहां गायों को मक्के की पत्ती का भूसा खिलाया जा रहा था, जो खाने योग्य नहीं माना जाता। मौके पर दो गाय गंभीर अवस्था में भी देखने को मिलीं, जिनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इस पूरे मामले ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर पंचायत का सचिव इतना प्रभावशाली है या किसी ऊंची पहुंच वाले व्यक्ति का संरक्षण है, जिसके चलते अब तक कार्रवाई नहीं हो रही। लगातार वीडियो वायरल होने और जनता के सामने स्थिति उजागर होने के बावजूद प्रशासन आंख मूंदकर बैठा हुआ है। जनपद पंचायत सीईओ ने भी इस संबंध में जिम्मेदारी से बचते हुए कहा कि इस मामले में जानकारी और बयान कलेक्टर एवं जिला पंचायत के कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिया जाएगा, मेरे स्तर पर नहीं। इससे साफ प्रतीत होता है कि अधिकारी केवल पल्ला झाड़ने का काम कर रहे हैं और गौमाताओं की हालत सुधारने की दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं हो रही। धर्म के ठेकेदारों की चुप्पी पर भी उठे सवाल गौर करने वाली बात यह भी है कि गांव में कुछ तथाकथित धर्म के ठेकेदार और नेता

जब चाहें तब गौमाता के नाम पर राजनीति करते हैं, बड़े-बड़े भाषण देते हैं, लेकिन जब उन्हीं से जुड़े लोग गौशाला का संचालन करते हैं और वहां गायें भूख-प्यास से तड़पती हैं, तब यही लोग चुप्पी साध लेते हैं। यह दोहरा रवैया अब जनता के सामने उजागर हो चुका है।

स्वार्थ के समय याद करने की परंपरा

धार्मिक दृष्टि से भी यह मामला अत्यंत गंभीर है। हिंदू धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो 13 दिन के कर्मकांड, श्राद्ध, पिंडदान और गया जी तक की परंपरा में गौदान और गाय को भोजन कराने का विशेष महत्व बताया गया है। श्राद्ध में गाय का हिस्सा निकालकर देने की परंपरा भी इसी कारण है। ऐसे में सवाल यह है कि जब कर्मकांड के समय गौमाता मोक्ष का माध्यम बन जाती है, तो बाकी दिनों में उसे सिर्फ चार पैर का जानवर समझकर भूखा क्यों छोड़ा जा रहा है? अब बड़ा सवाल यह है कि इन मूक गौमाताओं को न्याय कौन दिलाएगा? गौशाला संचालन में हो रहे भ्रष्टाचार की जवाबदेही कौन तय करेगा? और क्या प्रशासन दोषियों पर सख्त कार्रवाई करेगा या फिर यह मामला भी केवल वायरल वीडियो और खबरों तक ही सीमित रह जाएगा? जनता की मांग है कि आवली घाट गौशाला की तत्काल जांच कराई जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो और गायों के लिए पर्याप्त चारा, पानी, दवा और पशु चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आर्थिक हमला, पूंजीपतियों को लाभ पहुंचा रही भाजपा सरकार

जागरण, भैरुंदा (नसरुल्लागंज)। स्मार्ट मीटर को लेकर नगर में विरोध की तेज हो गया है। नगर के वार्ड क्रमांक 1 में महिलाओं के द्वारा किए गए हंगामे के बाद कांग्रेस ने मोर्चा संभाल लिया है। कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा ने भाजपा सरकार पर शब्दों का प्रहार करते हुए स्मार्ट मीटर को जनता को लूटने की नई मशीन करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार अपने उद्योगपति मित्रों की तिजोरियां भरने के लिए आम आदमी की जेब पर डाका डाल रही है। उल्लेखनीय है कि नगर में इस समय स्मार्ट मीटर लगाए जाने का काम तेजी से चल रहा है। एक अनुमान के मुताबिक 7000 उपभोक्ताओं में से लगभग 4200 उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर निजी कंपनी के द्वारा लगाए जा चुके हैं।

इस दौरान कई लोगों के द्वारा इसका विरोध किया गया लेकिन स्मार्ट मीटर लगाने गए कंपनी के कर्मचारियों ने मीटर नहीं लगाए दिए जाने पर कानूनी कार्यवाही किए जाने तक की बात कह दी। जिसके चलते लोगों के द्वारा इसका विरोध नहीं किया गया। लेकिन वार्ड क्रमांक एक में महिलाओं ने कार्यवाही की परवाह किए बिना स्मार्ट मीटर लगाए जाने का पुरजोर विरोध किया। नतीजा यह हुआ कि कंपनी के कर्मचारियों को बिना मीटर लगाए बैरंग लौटना पड़ा। इस मामले में कांग्रेस के द्वारा भाजपा सरकार से सवाल किया गया है कि आखिर जनता की मंशा के विपरीत किस आधार पर सरकार ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने का निर्णय लिया है।

विक्रम मस्ताल शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव के समय पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जनता से कहते थे कि घबराओ मत बिजली के बिल या तो आएंगे नहीं और आएगें तो मामा भरेगा। लेकिन आज उसी सरकार में स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को डराया और धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से

जनता सड़कों पर उतरकर स्मार्ट मीटर का विरोध कर रही है। वह सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जन-आक्रोश है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता की झटपटाहट में केंद्रीय मंत्री हमेशा जनता से ऐसी बातें करते हैं जो कभी भी हकीकत में नहीं बदलते। उनके द्वारा वर्ष 2018 में कांग्रेस की सरकार काविज होने के बाद तहसील कार्यालय में बिजली के बिलों की होली जलाई गई थी। विपक्ष में रहकर जब वह इस बात का विरोध कर रहे थे तो वर्तमान में तो उनकी पार्टी की सरकार है। अब उनके द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध सड़क पर आकर क्यों नहीं किया जा रहा। क्या वह जनता के हित में सड़क पर आने का निर्णय लेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि केबल भैरुंदा ही नहीं संपूर्ण बुद्धि विधानसभा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर का सबसे बुरा असर मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ेगा। भाजपा सरकार पूरी तरह से पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के इशारों पर काम कर रही है। जहाँ आम आदमी के हितों की कोई जगह नहीं है। स्मार्ट मीटर के नाम पर निजी कंपनियां मनमानी कर रही हैं और जनता में भारी गुस्सा व्याप्त है। विक्रम मस्ताल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह और कांग्रेस पार्टी पूर्ण रूप से स्मार्ट मीटर का विरोध करते हैं।

अधिकमास का प्रभाव-होली से दीपावली तक बदली तारीखें

जागरण बुधनी। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 अधिकमास वाला वर्ष होगा, जिसका सीधा असर देशभर में मनाए जाने वाले धार्मिक और सांस्कृतिक पर्वों पर पड़ेगा। अधिकमास के कारण त्योहारों की तिथियों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। वर्ष 2025 की तुलना में 2026 में शुरुआती छह माह के अधिकांश त्योहार 9 से 10 दिन पहले आएंगे, जबकि इसके बाद के पर्व 16 से 18 दिन तक की देरी से मनाए जाएंगे।क्या है अधिकमास और क्यों पड़ता है असरपंडितों और ज्योतिषाचार्यों के अनुसार हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित होता है, जिसमें एक वर्ष 354 दिन का होता है, जबकि सौर वर्ष 365 दिन का होता है। इन दोनों के बीच पड़ने वाले अंतर को संतुलित करने के लिए हर लगभग तीन वर्ष में एक अतिरिक्त माह जोड़ा जाता है, जिसे अधिकमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है।इसी अधिकमास के कारण पर्वों की तिथियां आगे-पीछे होती हैं। इस वर्ष और उसे वर्ष में अंतर26 फरवरी (2025), महाशिवरात्रि 15 फरवरी (2026)होली- 14 मार्च (2025), 3 मार्च (2026)राम नवमी- 6 अप्रैल (2025), 27 मार्च (2026)इन त्योहारों के जल्दी आने से धार्मिक आयोजन, विवाह मुहूर्त और सामाजिक कार्यक्रमों की समय-सारिणी भी पहले से तय करनी होगी।जुलाई के बाद के त्योहार 18 दिन तक देर से

अधिकमास का प्रभाव वर्ष के उत्तरार्ध में उल्टा दिखाई देगा। जुलाई से अक्टूबर तक के त्योहार 16 से 18 दिन की देरी से मनाए जाएंगे।गुरु पूर्णिमा 2025 में 9 जुलाई, 2026 में 28 जुलाईकृष्ण जन्माष्टमी 16 अगस्त (2025), 4 सितंबर (2026) गणेशोत्सव 27 अगस्त (2025), 14 सितंबर (2026) शारदीय नवरात्र- 22 सितंबर (2025), 11 अक्टूबर (2026)दशहरा 2 अक्टूबर (2025), 21 अक्टूबर (2026) दीपावली 20 अक्टूबर (2025), 8 नवंबर (2026)व्यापार, शिक्षा और आयोजनों पर भी असरत्योहारों की तिथियों में इस बड़े बदलाव का असर सिर्फ धार्मिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा। व्यापारियों को त्योहारों की खरीदारी और स्टॉक पहले से अलग समय पर करना होगा

स्कूल-कॉलेजों की परीक्षाओं और छुट्टियों के कैलेंडरमें बदलाव संभव हैविवाह, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्यों की तारीखें भी बदलेंगीपंडितों की सलाह कि अधिकमास के कारण उत्पन्न इस बदलाव को देखते हुएलोगों को चाहिए कि वे 2026 का पंचांग पहले से देखकर ही धार्मिक और पारिवारिक आयोजन तय करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बस स्टैंड गार्डन में स्थापित हो बाबा की प्रतिमा सौंपा ज्ञापन

जागरण,रेहटी। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग को लेकर दलित पिछड़ा समाज संगठन सीहोर ने कलेक्टर के नाम नगर परिषद रेहटी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांग की है कि नगर परिषद रेहटी के नवीन बस स्टैंड स्थित गार्डन में बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित की जाए। संगठन के जिला अध्यक्ष विजय वर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश को समता, समानता, बंधुता, न्याय और भाईचारे का जो अमूल्य संदेश दिया, वह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। बाबा साहब केवल बहुजन समाज के ही नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाले प्रत्येक नागरिक के आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख स्थल पर उनकी प्रतिमा स्थापित किए जाने से सामाजिक समरसता को बल मिलेगा तथा नई पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरणा प्राप्त होगी। नवीन बस स्टैंड क्षेत्र सार्वजनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है, जहां प्रतिमा स्थापना से अधिकाधिक नागरिकों को संविधान निर्माता के विचारों को नजदीक से जानने का अवसर मिलेगा।

रामकथा में शिव-सती प्रसंग, सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का हो रहा निर्माण

जागरण,रमगढ़ा। गुरुवार को रुद्र धाम आश्रम में डॉ. पुष्कर परसाई के मुखारविंद से संगीतमय श्री रामकथा का शुभारंभ हुआ। कथा के पहले दिन भगवान शिव और माता सती के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब वन में भटकते हुए श्री राम को भगवान भोलेनाथ ने प्रणाम किया तो माता सती के मन में यह संदेह उत्पन्न हो गया कि उनके पति जो स्वयं महादेव हैं एक साधारण मनुष्य को नमन क्यों कर रहे हैं। भगवान शिव ने सती को बोध कराया कि श्री राम साधारण मानव नहीं बल्कि साक्षात परमात्मा हैं। जिन्होंने राक्षसों के विनाश के लिए राजा दशरथ के पुत्र के रूप में अवतार लिया है। महादेव ने उन्हें अपना इष्ट देव बताते हुए कहा कि वह निरंतर उन्हीं का स्मरण करते हैं। सती ने शिव के वचनों पर विश्वास न करते हुए श्री राम की परीक्षा लेने के लिए माता सीता का रूप धारण किया। किंतु प्रभु श्री राम ने उन्हें तत्काल पहचान लिया और माता कहकर संबोधित किया। अपनी भूल और शिव जी की आज्ञा के उल्लंघन पर सती अत्यंत दुःखी हुई और उन्होंने

सत्य छिपाने का प्रयास किया। परंतु महादेव ने अपने ज्ञान चक्षुओं से सब जान लिया और सती का मानसिक परित्याग कर दिया। यही सती आगे चलकर पिता दक्ष के यज्ञ कुंड में योगाग्नि द्वारा भस्म हुईं और अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लेकर घोर तपस्या के पश्चात पुनः शिव को प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि दूसरे जन्म में पार्वती ने पुनः वही जिज्ञासा प्रकट की। जिसके उत्तर में शिव जी ने उन्हें संपूर्ण रामचरितमानस का विस्तार से श्रवण कराया।

वर्तमान में रुद्र धाम आश्रम में चल रहे शिव शक्ति महायज्ञ के दौरान सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया जा रहा है। विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमानों द्वारा क्षेत्र एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए यज्ञ में आहुतियां दी जा रही हैं। संत परमहंस परमानंद एवं बजरंग गिरी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव में प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए अखंड भंडारा भी संचालित किया जा रहा है।

संत गाड़गे जयंती 23 को, होंगे आयोजन

जागरण, इटारसी। नगर में रजक समाज के द्वारा संत श्रीगाड़गे महाराज की 150 वें जन्मोत्सव पर बूढ़ी माता मंदिर के पीछे संत गाड़गे मंदिर में जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन आगामी 23 फरवरी सोमवार को दोपहर 12 बजे से किया गया है। संत गाड़गे महाराज की जन्मोत्सव के उपलक्ष में रजक समाज के द्वारा दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आरती आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात सम्मान समारोह तक होगा। तत्पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। उक्त जानकारी रजक समाज के जिला प्रभारी नंदलाल भगोरिया ने दी।

शादी से लौटते समय बड़ा हादसा:-ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 20 लोग घायल,6 नर्मदापुरम रेफर

जागरण,रेहटी। तहसील क्षेत्र के ग्राम ओडिया स्थित दीपाखेड़ा मोड़ के पास बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। शादी समारोह से लौट रहे लोगों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे लगभग 20 लोग घायल हो गए। इनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 40 लोग सवार थे, जो होशंगाबाद जिले के होरिया पीपली गांव में अपने परिजनों के यहां आयोजित शादी समारोह से वापस भैरूंदा तहसील के ग्राम चींटीखेड़ा लौट रहे थे। इसी दौरान दीपाखेड़ा मोड़ पर सामने से आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रॉली सड़क किनारे पलट गई।हादसे की सूचना मिलते ही 100 डायल और अन्य वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल रेहटी पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल 6 लोगों को बेहतर इलाज के लिए नर्मदापुरम रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज रेहटी अस्पताल में जारी है। सूचना मिलते ही रेहटी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

बाल संरक्षण को लेकर हुई बैठक

जागरण, इटारसी। बंगालिया वार्ड में जीवोदय संस्था द्वारा बाल संरक्षण और जागरूकता को लेकर समन्वय बैठक आयोजित की गई। संस्था की सिस्टर क्लारा ने बताया कि जीवोदय का मुख्य लक्ष्य बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना और शिक्षा व नेतृत्व के अवसर प्रदान करना है। इस अवसर पर पीटर, दिलीप, वंदना ओझा, मनीषा अग्रवाल, जिमी केथबास, शुभम गौर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल-इटारसी मार्ग पर अहम स्टेशन की हो रही उपेक्षा, सुविधाएं होने के बाद भी यात्रियों को नहीं मिल पा रहा है लाभ

पड़ोसी रेलवे स्टेशनों का सहारा लेने को मजबूर बुधनी के यात्री

जागरण बुधनी। नर्मदा तट पर बसे ऐतिहासिक और औद्योगिक नगर बुधनी का रेलवे स्टेशन इन दिनों लोगों की उपेक्षा और प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन गया है। जहां से रोजाना हजारों यात्री भोपाल, इटारसी, होशंगाबाद और जबलपुर जैसी जगहों के लिए सफर करते हैं, वहीं इस स्टेशन पर आज भी सिर्फ पठानकोट एक्सप्रेस का ही ठहराव है। बाकी सभी एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें बिना रुके गुजर जाती हैं। इस वजह से स्थानीय यात्रियों में भारी नाराजगी है और रोजमर्रा की यात्रा एक बड़ी समस्या बन चुकी है।बुधनी से प्रतिदिन विद्यार्थी, व्यापारी, मजदूर और सरकारी कर्मचारी यात्रा करते हैं। परंतु ट्रेनें न रुकने से उन्हें मजबूरन पड़ोसी स्टेशन होशंगाबाद इटारसी स्टेशन और भोपाल से जाना पड़ता है। इससे न केवल अतिरिक्त खर्च बढ़ता है, बल्कि समय की भी भारी बर्बादी होती है।स्थानीय लोगों ने बताया सुबह की गाड़ियों में चढ़ने के लिए हमें रात से तैयारी करनी पड़ती है। भोपाल या इटारसी जाकर ट्रेन पकड़ना बेहद मुश्किल है। बुधनी की आबादी और औद्योगिक महत्व के हिसाब से यहां कई ट्रेनों को रुकना चाहिए।महिला यात्री कहती हैंहमारे बच्चों को कॉलेज और कोचिंग के लिए रोज भोपाल जाना होता है। स्टेशन पर केवल एक ट्रेन

रुकती है, बाकी सब बिना रुके चली जाती हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह सबसे बड़ी परेशानी है।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव

रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म पर न तो पूरी छत है, न ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था। प्रतीक्षालय छोटा और असुविधाजनक है, वहीं पीने के पानी की व्यवस्था भी सीमित है। बरसात के मौसम में प्लेटफॉर्म पर पानी भर जाने से यात्री परेशान रहते हैं।कई बार यात्रियों को टिकट के लिए लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है, क्योंकि स्टेशन पर सिर्फ एक ही टिकट काउंटर है। यात्रियों का कहना है कि यदि स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या बढ़े और सुविधाएँ सुधरें, तो यहाँ का रेलवे स्टेशन पूरे नर्मदा क्षेत्र के लिए मॉडल स्टेशन बन सकता हैद्यबुधनी के सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और विद्यार्थियों ने रेलवे प्रशासन से कई बार ज्ञापन देकर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव बढ़ाने की मांग की है। नागरिकों ने बताया कि यहाँ पर स्टेशन की गणना छोटे स्टॉपेज के रूप में की जाती है।बुधनी औद्योगिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नगर है। वर्धमान, टाइडेंट जैसी फैक्ट्रियाँ यहाँ हैं, हजारों लोग काम के लिए यात्रा करते हैं। यदि राजकोट एक्सप्रेस झेलम एक्सप्रेस पंजाब मेल छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस गोंडवाना एक्सप्रेस, आदि ट्रेनों को यहां ठहराया हो जाए, तो न सिर्फ जनता को राहत मिलेगी बल्कि रेलवे की आमदनी भी बढ़ेगी।रेलवे सूत्रों के अनुसार, बुधनी स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव को लेकर प्रस्ताव उच्च अधिकारियों तक भेजा गया है। उनका कहना है कि ठहराव तभी बढ़ाए जा सकते हैं जब समय-सारणी और तकनीकी अनुमति मिले। हालांकि यात्रियों का कहना है कि यह जवाब हर बार दोहराया जाता है लेकिन कभी अमल में नहीं आता।स्थानीय नागरिकों ने अपने जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है यहाँ हर वर्ष नर्मदा उत्सव, के सात देवी धाम सलकनपुर नजदीक है।

न्यायालय अपर कलेक्टर सीहोर, जिला सीहोर, मध्यप्रदेश

क्रमांक 460/रीडर-2/2025 सीहोर, दिनांक 03/02/2026

प्रकरण क्रमांक 0102/अपील/2025-26

संजय मालवीय आदि विरूद्ध जगदीश प्रसाद आदि

-: सूचना-पत्र:-

प्रति,
सुमित्रा बाई बेवा फूलचंद निवासी कस्बा भैरूंदा तहसील भैरूंदा जिला सीहोर म.प्र.।
द्वारा:-तहसीलदार भैरूंदा।(निर्वाह हेतु)।

-:00:-

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि अपीलकर्ता संजय मालवीय आ. बदामीलाल मालवीय एवं अन्य निवासी कस्बा भैरूंदा तहसील भैरूंदा जिला सीहोर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी भैरूंदा के न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 0058/अ-6 (अ)/2025-26 में पारित आदेश दिनांक 09/09/2025 के विरूद्ध इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई है। जिसकी सुनवाई हेतु पेशी दिनांक **26/02/2026** नियत की गई है।

2- अतः आप नियत पेशी दिनांक को पूर्वान्ह 11.00 बजे इस न्यायालय मे स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होवे। अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला सीहोर (म.प्र.)

सोल रिट्रीट पर हुई मारपीट की घटना, 24 घंटे बाद भी पुलिस दो आरोपियों का नाम बताने में असमर्थ

लेन-देन को लेकर हुई मारपीट, घटना में एक सउनि की उपस्थिति पुलिस के लिए बनी सिरदर्द

जागरण, आष्टा। जावर की कृषि उपज मंडी के समीप भाऊखेड़ा निवासी अशोक जैन और उनकी दुकान पर काम करने वाले गोपाल ठाकुर को उनके ही ग्राम के रमेश, गजराजसिंह और दो अन्य लोग मारपीट कर रहे थें। तभी वहा से निकल रहे वीरेंद्र ठाकुर ने मारपीट होते देख बीच बचाव किया, इस बीच जोगेंद्र ठाकुर भी वहा पहुंच गए। घायल अशोक जैन को वीरेंद्र थाना जावर लेकर गए, वहां से अशोक जैन को चिकित्सीय जांच हेतु जावर के अस्पताल ले जाया गया, ततपश्चात उसे आष्टा रेफर किया गया। इस घटनाक्रम की रिपोर्ट पुलिस ने वीरेंद्र ठाकुर के द्वारा करना बताया हैं, जबकि पुलिस द्वारा दर्ज रिपोर्ट में यह उल्लेख हैं कि अशोक जैन को थाना जावर लेकर गए थें। स्पष्ट हैं कि इस प्रथम सूचना रिपोर्ट में ग्राम भाऊखेडा के दो लोगो का नामोल्लेख हैं और दो व्यक्ति अज्ञात बताए गए हैं।

सारे मामले को लेकर पीड़ित पक्ष का कहना हैं कि कोई ढाई लाख रूपये उधार दिए गए थें, इस मामले में कानूनी कार्रवाई की गई हैं, जिसके चलते दोनो आरोपी पीपलरावा थाने के सउनि मांगीलाल परमार एवं गजेंद्रसिंह के साथ सोल रिट्रीट पर पहुंचे और अशोक जैन के साथ मारपीट की। सउनि परमार, आरोपी रमेश का मामा बताया जाता हैं, इस प्रकार उक्त घटनाक्रम के स्पष्ट हैं कि मारपीट में घायल अशोक जैन को जानबूझकर फरियादी नही बनाया हैं, इसके पीछे का कारण यह हैं कि जांच और बयान के नाम पर समय का छल किया जा सके। जब खुद घायल थाने में घटना के तत्काल बाद मौजूद हैं, तो फिर उससे क्यों पूछताछ नही की गई और क्यों उसके बताए अनुसार रिपोर्ट लिखने के बजाए बीचबचाव करने वाले को फरियादी बनाया गया।

पुलिस की इस पूरी माथापच्ची के पीछे का जो कारण जावर क्षेत्र के नागरिक बता रहे हैं, वह हैं सउनि की उपस्थिति। इसी उपस्थिति को छीपाने के लिए यह उपक्रम किया गया हैं। जिला पुलिस अधीक्षक के सामने अब सवाल यह हैं कि जावर थाने में प्रशिक्षु डीएसपी वर्तमान में टीआई का पदभार संभाले हैं, वह नए अधिकारी हैं, लेकिन जिस अधिकारी ने यह रिपोर्ट दर्ज की हैं, वह तो अनुभवी हैं, फिर दूषित एफआईआर की रचना करने, वाले पर वे क्या कार्रवाई करते हैं? सवाल तो यह भी हैं कि थाने से जावर अस्पताल ले जाने तक घायल पुलिस के संरक्षण में था, फिर क्यों रिपोर्ट नही लिखी गई? इन सब कारणों से जावर थाना अपनी कार्यप्रणाली के चलते सुर्खियों में आ गया हैं।

घटना के 24 घंटे बाद भी जावर पुलिस यह बताने की स्थिति में नही हैं कि घटना के पीछे कारण क्या हैं, क्यों एक भांजे को मामा का सहारा लेना पड़ा। लेनदेन कितने का था और उसकी वसूली के लिए क्या कार्रवाई अशोक जैन द्वारा की गई थी, जिससे नाराज होकर मारपीट की गई। पुलिस अधीक्षक चाहे जो कहे, लेकिन इस मामले में पुलिस द्वारा जिस प्रकार की कार्रवाई की गई हैं और अपने ही द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के विपरीत जिस प्रकार की जानकारी दी गई हैं, वह परस्पर मेल नही खाती हैं। फिर भी पुलिस ने दो ज्ञात और दो अज्ञात के विरूद्ध मारपीट का मामला 11 फरवरी को दर्ज किया हैं। इधर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर जिस प्रकार की जानकारी आ रही हैं, वह अलग ही कहानी बताती हैं।

मेहतवाड़ा संवाददाता को अशोक जैन ने बताया कि जो नगद राशि दी थी, उसका चेक बाउंस हो गया था। इस जानकारी के बाद रमेश मालवीय और पीपलरावा थाने के सउनि मांगीलाल परमार को लेकर अशोक जैन को डराने-धमकाने के लिए गए, जहां उनके साथ मारपीट की और अन्य लोगो ने बीचबचाव किया। कुलमिलाकर विभागीय व्यक्ति को बचाने के लिए पुलिस ने दो ज्ञात और दो अज्ञात के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर खुद यह स्वीकार कर लिया हैं कि इस मामले में कुल चार आरोपी हैं। सोल रिट्रीट का सीसीटीवी सब कुछ बता देगा। अब कही यह ना कह दिया जाए कि सीसीटीवी के कैमरे बंद थें और जावर मंडी के सामने स्थित घटना स्थल के आसपास के कैमरे भी खराब थें।

जल संरक्षण का दिया संदेश

ग्राम छापर में जल अर्पण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जागरण, आष्टा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकासखंड के ग्राम छापर में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के तहत कलश यात्रा एवं स्कूल रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही जल के महत्व एवं उसके सतत उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। ब्लॉक समन्वयक मंगलेश दुबे ने ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

ग्राम छापर में संचालित नल-जल योजना के सफल संचालन का भी उल्लेख किया गया। योजना के माध्यम से लगभग 250 परिवारों को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध हो रहा हैं तथा सभी परिवारों द्वारा नियमित रूप से जल कर का भुगतान किया जा रहा हैं, जो योजना की सतत संचालन व्यवस्था को मजबूत बनाता है। कार्यक्रम में सरपंच गीताबाई, पीएचई विभाग से सहायक यंत्री जिज्ञासा दीक्षित, ब्लॉक समन्वयक मंगलेश दुबे, उपयंत्री राजेंद्र वर्मा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थें। कार्यक्रम के दौरान जल कर का नियमित भुगतान करने वाले परिवारों तथा पंप ऑपरेटर दिनेश को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सम्मानित किया। कार्यक्रम में राम बजरंग मंडल की टीम ने पानी बचाओ विषय पर प्रेरणादायक गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गईं, जिसने उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति भावनात्मक रूप से जागरूक किया।

वैष्णव बैरागी समाज प्रगतिशील व उन्नतिशील समाज : विधायक

जागरण, आष्टा। आज लगभग प्रत्येक प्रगतिशील, जागरूक समाजों की सोच में बदलाव आया हैं, समाजों में सामूहिक विवाह के आयोजन इस ही अच्छे बदलाव के संकेत हं। श्री वैष्णव बैरागी समाज जो एक उन्नतिशील, प्रगतिशील और नई सोच को लेकर आगे बढ़ने वाला समाज हैं, इस समाज द्वारा सामूहिक विवाह समारोह करने का विचार और आयोजित कार्यक्रम निश्चित समाज का अच्छा निर्णय हैं, इस आशय के विचार विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने सेंधव क्षत्रिय राजपूत समाज छात्रावास में वैष्णव बैरागी समाज समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

विधायक श्री इंजीनियर ने कहा कि इस तरह के सामूहिक विवाहों के आयोजन से समय ओर अर्थ की बड़ी बचत होती हैं, साथ ही समाज मे एकता के भी दर्शन होते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज का संगठन भी मजबूत होता है जो समाज हित मे होता हैं। निश्चित वैष्णव बैरागी समाज द्वारा जो ये आयोजन किया जिसमें समाज के 6 जोड़े परिणय सूत्र में बंधने जा रहे हैं, में सभी नवयुगल वर वधुओं को बधाई देता हूं। अभी मंच से मांग की गई कि वैष्णव बैरागी समाज की अपनी कोई धर्मशाला नही हैं, समाज को ऐसे छोटे बड़े आयोजनों के लिये धर्मशाला की जरूरत हैं। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपने उदबोधन में समाज के सामने घोषणा की समाज धर्मशाला के लिये भूमि की व्यवस्था कर ले, उक्त भूमि पर निर्माण कार्य हेतु मुझसे जितना भी ज्यादा से ज्यादा सहयोग होगा में करूंगा। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने आयोजित कार्यक्रम निमित्त 11 हजार रुपये देने की भी घोषणा की जिसका समाज जनों ने स्वागत किया। सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए विधायक गोपालसिंह इंजीनियर, हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष भुरू मुकाती, दिलीप मालवीय, नगर भाजपा की मंत्री श्रीमती नीलिमा बैरागी सहित मंचासीन सभी अतिथियों का वैष्णव बैरागी समाज समिति की और से दिनेश बैरागी, बाबूदास बैरागी सहित समिति के सभी सदस्यो ने स्वागत कर स्मृति चिंह भेंट किया।

खुटालिया बैकुंठ धाम में आयोजन, शिव शक्ति महायज्ञ में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं श्रद्धालु

जागरण, आष्टा। श्री खुटालिया बैकुंठ धाम सेवा संस्थान बापचा द्वारा धाम सरकार के सानिध्य में धाम बापचा पर नवकुण्डीय नवदिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ के तहत प्रतिदिन पूजन, हवन एवं आरती और श्रीमद्भागवत कथा के साथ भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री शिव शक्ति सात्विक महायज्ञ में मालवा माटी के संतश्री गोविंद जाने द्वारा श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करवाई जा रही हैं। संतश्री गोविंद जाने ने कहा कि जब लोग एकत्रित हो राम नाम जपने लगे, तो संत, महात्मा और धाम सरकार की बोली तार देती हैं। पिता, पुत्र के शरीर का ध्यान रखता हैं, परंतु सद्गुरू, पुत्र के मन का भी ध्यान रखते हैं। तन में कुछ बीमारी हो जाए, तो सरकार बैठे हैं, ठीक हो जाओगें। तन गिर भी गया तो अस्पताल हैं, लेकिन मन गिर जाए, तो उसे सद्गुरू संभालते हैं। इस अवसर पर प्रमोद झां, भाजपा अजा मोर्चा प्रदेशमंत्री बलजीत चौहान, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र इंजीनियर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं व्यापार महासंघ अध्यक्ष रूपेश राठौर, पार्षद तेजसिंह राठौर, जितेंद्र पटेल, राहुल जैन, सुमित मेहता, सूरज पहलवान, कुलदीप ठाकुर, महेंद्र ठाकुर, नरेंद्र भाटी, चरण ठाकुर, भाजपा जावर महामंत्री धर्मेंद्रसिंह मालवीय सेमलीबारी, जुगल वर्मा, अकेसिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थें। श्रद्धालुओं ने धाम सरकार एवं संतश्री गोविंद जाने का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार का भाजपाइयों ने किया स्वागत

जागरण, आष्टा। प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार का भोपाल से शुजालपुर जाते समय चौपाटी चौराहे पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष धारासिंह पटेल के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला सह कार्यालय मंत्री उमेश शर्मा, नगर भाजपा उपाध्यक्ष सुरेश परमार, युमो नगर महामंत्री मनीष धारवां, नगर भाजपा राकेश प्रजापति आदि मौजूद थें।

गिरते जल स्तर को लेकर नन्हे जल प्रहरी सड़क पर उतरे

जागरण शाजापुर। शहर में गिरते भूजल स्तर और भविष्य में संभावित जल संकट के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि विद्यालय, हरायपुरा के विद्यार्थियों ने एक अनूठी पहल की है। विद्यालय द्वारा हमारा जल, हमारी जिम्मेदारी अभियान के अंतर्गत एक विशाल जल जागरूकता रैली निकाली गई, जिसने पूरे शहर में सकारात्मक माहौल निर्मित किया। प्राचार्य सविता सोनी और प्रधानाध्यापिका रानू सक्सेना के नेतृत्व में रैली का शुभारंभ विद्यालय परिसर से हुआ।

हाथों में तख्तियां और जुबां पर जल है तो कल है, पानी बचाओ-जीवन बचाओ जैसे प्रेरक नारे लिए विद्यार्थी नई सड़क, आजाद चौक, सोमवारिया बाजार, काछीवाड़ा और बस स्टैंड मार्ग से होते हुए पुनः विद्यालय पहुंचे। इस दौरान विद्यार्थियों ने राहगीरों और दुकानदारों को जल संरक्षण का महत्व समझाया। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षक दिलीप जायसवाल ने गिरते भूजल स्तर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि समय की मांग है। ग्रीष्म ऋतु में होने वाले जल संकट से निपटने के लिए हमें अभी से जागना होगा। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्यालय में जल प्रहरी क्लब का गठन किया गया है। शिक्षक हेमंत सक्सेना ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

जल प्रहरी क्लब ने संभाली कमान

अभियान को सफल बनाने के लिए गठित जल प्रहरी क्लब में छात्र अथर्व शर्मा, साक्षी सूर्यवंशी, कनिका पाटीदार, पलक गुर्जर, रौनक सांवले, कपिल मालवीय, हिमांशु पाठक और राज मेवाड़ा सहित कई विद्यार्थी शामिल हैं। ये विद्यार्थी न केवल स्कूल बल्कि अपने मोहल्लों में भी जल संरक्षण के दूत बनकर कार्य कर रहे हैं। रैली के समापन पर विद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण की शपथ ली। इस दौरान रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल पुनर्चक्रण और पानी की बर्बादी रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

फसल चरने से नाराज किसान ने गाय को खूंटे से बांधकर बेरहमी से पीटा, पहुंचा सलाखों के पीछे

जागरण शाजापुर। भूख मिटाने के लिए खेत में घुसना एक बेजुबान को इतना भारी पड़ा कि किसान सारी मर्यादाएं लांघकर हैवान बन बैठा। चंद मुट्ठी अनाज के नुकसान ने एक किसान को इतना क्रोधित कर दिया कि उसने गौमाता का दर्जा पाने वाले जीव को खूंटे से बांधकर लाठियों से अधमरा कर दिया। घटना शाजापुर के ग्राम बायहेड़ा की है, जहां बुधवार शाम मानवता को शर्मसार करने वाला यह मामला सामने आया। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह है पूरा मामला

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम बायहेड़ा निवासी किसान कमलसिंह के खेत में पिछले 4-5 दिनों से एक गाय गेहूं और चने की फसल में मुंह मार रही थी। फसल के नुकसान से कमलसिंह का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। बुधवार शाम करीब 7 बजे जब गाय दोबारा खेत में दिखी, तो उसने उसे पकड़कर अपने घर के सामने खूंटे से बांध दिया और लाठियों से उस पर तब तक वार किए जब तक वह बुरी तरह घायल नहीं हो गई।

रिश्तेदार ने ही रोका, पर सिर पर सवार था खून

जिस वक्त यह बर्बरता हो रही थी, संयोग से आरोपी की बहन के घर मेहमान बनकर आए बलवीर सिंह वहां मौजूद थे। बलवीर, जो खुद गौरक्षा दल से जुड़े हैं, ने अपने दोस्तों विनोद सौराष्ट्रीय और महेंद्र प्रजापत के साथ मिलकर कमलसिंह को रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन गुस्से में अंधे हो चुके किसान ने किसी की नहीं सुनी और गाय को पीटता रहा। घटना का वीडियो सामने आते ही बलवीर सिंह ने तुरंत गौरक्षा दल को सूचित किया। देखते ही देखते थाने पर गौरक्षकों की भीड़ जमा हो गई।

दल के सदस्यों ने घायल गाय का वीडियो और सबूत पुलिस को सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी किसान कमलसिंह के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे रात ही गिरफ्तार कर लिया।

एलआईसी-बीएसएनएल कर्मचारियों के साथ किसान भी मैदान में कामकाज ठप

जागरण शाजापुर। केंद्र सरकार की आर्थिक, श्रम और कृषि नीतियों के विरोध में गुरुवार को बुलाए गए राष्ट्रव्यापी बंद का शाजापुर में व्यापक असर देखने को मिला। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बीएसएनएल के कर्मचारियों ने एकजुट होकर कार्यालय परिसरों में जमकर प्रदर्शन किया।

इस आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा का भी समर्थन मिला, जिससे विरोध के स्वर और मुखर हो गए। सुबह से ही एलआईसी और बीएसएनएल कार्यालयों में कामकाज ठप रहा। ट्रेड यूनियनों से जुड़े कर्मचारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार की नीतियां सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कमजोर कर रही हैं और निजी बीमा व निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की शाजापुर जिला कार्यकारणी घोषित

जिला पदाधिकारियों को समाज के सभी वर्गों ने बधाई दी

जागरण शाजापुर। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया की अनुशंसा व संभाग अध्यक्ष मनोज जैन की सहमति से शाजापुर जिला इकाई अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना चिंटू द्वारा जिला कार्यकारणी की घोषणा की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सक्सेना द्वारा सत्यनिष्ठ पत्रकारिता के साथ ही पत्रकार हितों की रक्षा ओर संगठन की मजबूती के लिए साथियों से सतत कार्य करने का आह्वान किया जारी सूची अनुसार महासचिव राजेन्द्र राठौर राजा, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, राधेश्याम सोनी, फैजुल्ला पठान, आदित्य शर्मा, अमित मालवीय, राहुल विश्वकर्मा, भरत पटेल, मोहित व्यास, कोषाध्यक्ष राजेश कलजोरिया, सचिव कैलाश विश्वकर्मा, अनिल शर्मा, मनीष पटेल, अमरसिंह मेवाडा, पवन मंडलोई, दीपक सक्सेना, इमरान अंसारी, विष्णुप्रसाद सोनी, शहजाद खान, संयुक्त सचिव दिलीप महेश्वरी, कमल प्रजापति, आनंद मेवाडा, प्रेमसिंह जादौन, विमलेश विश्वकर्मा, राजेश गोस्वामी, मोहित राठौर, अर्पित परमार, संतोष परमार, कार्यकारिणी सदस्य सुनिल गोयल, प्रेमनारायण मरेठिया, सलीम खान, अजयसिंह कुशवाह, विजय जोशी, संजय राठौर, शकील खान गलोटी एवं दीपक अग्रवाल है। जिले भर के पत्रकार साथियों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

रेस्टोरेंट, चौपाटी तथा बेकरी से संयुक्त दल के औचक निरीक्षण में 4 नमूने लिए

36575 रुपए मूल्य की सामग्री जब्त की

जागरण शाजापुर। खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से मिलावटी खाद्यान की रोकथाम को लेकर अभियान चलाया। गुरूवार को खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व विभाग के दल की संयुक्त कार्रवाई में सर्वप्रथम जनक बेकरी से विक्रय सामग्री की पैकिंग डेट एक्सपायरी की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमके वर्मा ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई के तहत वैष्णव रेस्टोरेंट एवं चाट चौपाटी से ग्रेवी का नमूना लिया गया तथा छोटे-छोटे थैलियों में रखे बचे विभिन्न प्रकार के मसाले, मैदा, बेसन लहसुन, सेव आदि नष्ट करवाए।

इसके उपरांत आलीशान बेकरी मुरादपुरा रोड डासी से देव कृपा टोस्ट एवं बिना लेबल के पैक तिल्ली टोस्ट, टोस्ट बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले पाम तेल के सैंपल लिए तथा 75 पेटी देव कृपा टोस्ट, 5 कट्टे बिना लेबल वाले तिल्ली टोस्ट एवं 10 टिन पाम तेल कुल 36575 रुपए की सामग्री जप्त कर आगामी आदेश तक छेड़छाड़ न करने की शर्त पर संबंधित संचालक इमरान की सुपुर्दगी में दिए गए। चारों सैंपल जांच के लिए खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेज दिए हैं। खाद्य विश्लेषक कार्यालय से प्राप्त जांच रिपोर्ट अनुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि किचन एवं बेकरी परिसर में साफ-सफाई एवं खाद्य सामग्री को ढंक कर रखने, गीले एवं सूखे .कचरे का पृथक् पृथक संग्रहण किए जाने संबंधी सुधार के लिए नोटिस जारी किए जा रहे है। जांच दल में दल प्रभारी तहसीलदार नाहिद अंजुम, खाद्य सुरक्षा अधिकारी वर्मा एवं के.एल. कुंभकार, कस्बा पटवारी ताहिर सिद्दकी तथा गोपाल मालवीय, स्थानीय पुलिस बल शामिल रहा।

अस्पताल में फिर इंजेक्शन चोरी, 12 दिन में दूसरी वारदात

जागरण शाजापुर। जिला अस्पताल इन दिनों चोरों का सॉफ्ट टारगेट बन गया है। अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था के दावों की पोल एक बार फिर खुल गई है। दरअसल अस्पताल में फेनीरामाइन इंजेक्शन चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। महज 12 दिनों के भीतर दूसरी बार और कुल चौथी बार इंजेक्शन चोरी की वारदात ने अस्पताल प्रबंधन की नींद उड़ा दी है। बुधवार शाम एक युवक को फिर से रंगे हाथों दबोचा गया, जो पहले भी इसी हरकत में कैमरे में कैद हो चुका है। जानकारी के अनुसार शाम 5 से 6 बजे के बीच जिला अस्पताल के वार्ड में जलज मालवीय नामक युवक को मेडिकल स्टाफ ने फेनीरामाइन इंजेक्शन चुराते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इंजेक्शन लेकर भागने की फिराक में लगे युवक की डॉक्टर और सुरक्षाकर्मियों से झड़प भी हुई, लेकिन सतर्कता के चलते उसे दबोच लिया गया। घटना का वीडियो गुरुवार को सामने आया, जो अस्पताल की लचर निगरानी व्यवस्था की कहानी बयां कर रहा है।

आदतन अपराधी है आरोपी

हैरानी की बात यह है कि पकड़ा गया आरोपी जलज मालवीय कोई नया चेहरा नहीं है। यह तीसरी बार है जब उसका नाम इंजेक्शन चोरी में सामने आया है। इससे पहले पकड़े गए रुद्र मालवीय और 31 जनवरी को पकड़े गए दीपक यादव के मामलों में भी इसी गैंग या लत का कनेक्शन सामने आ रहा है।

खुले में जहर, सो रहा सिस्टम

बार-बार चोरियां होने के बावजूद, नशे के तौर पर इस्तेमाल किए जा सकने वाले फेनीरामाइन इंजेक्शन अब भी खुले में रखे जा रहे हैं। आरएमओ डॉ. गोविंद पाटीदार ने बताया कि पुलिस थाने में आवेदन दिया जा रहा है, लेकिन सवाल वही है, आखिर कब तक अस्पताल प्रशासन चोरों के आगे बेबस नजर आएगा?

कलेक्टर ने नया बस डिपो एवं कोतवाली थाना बनाने के लिए स्थल का निरीक्षण किया

जागरण शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना ने पीएम केन्द्रीय विद्यालय शाजापुर के पास खाली पड़ी जमीन पर नया बस डीपो बनाने के लिए स्थल का निरीक्षण किया। इसी तरह कलेक्टर बाफना ने पुराने आरटीओ ऑफिस जो पूर्व में बस डीपों के लिए आवंटित था, का निरीक्षण कर उक्त स्थल पर कोतवाली थाना बनाने के लिए संबंधित विभाग को भूमि आवंटित करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी को दिए।

न्यूज कार्नर

जनगणना में गुणवत्ता और निर्देशों को ध्यान रखा जाए : कलेक्टर

देवास। जनगणना संबंधी जिला समन्वय समिति की बैठक कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में अपर कलेक्टर संजीव जैन, जनगणना जिला प्रभारी सुश्री सोनिका गर्ग, जिला जनगणना समन्वाय समिति के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जनगणना संबंधी नियम और निर्देशों तथा निर्धारित कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में जनगणना कार्य को लेकर व्यापक समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जनगणना की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएंगी। इन्हें विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जनगणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना है। जनगणना में गुणवत्ता और उच्च स्तर से प्राप्त नियमों और निर्देशों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में बताया गया कि जनगणना का पहले चरण में घर-घर जाकर मकानों की सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। इस दूसरे चरण में डिजिटल माध्यम से घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी। जनसंख्या 2027 के लिए संदर्भ तारीख एक मार्च 2027 होगी। जनगणना 2027 का प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर पार्थिव शिवलिंग पूजन होगा

देवास। महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 फरवरी को श्री सूर्य विजय हनुमान मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर में रात्रि 9 बजे तीसरे पहर पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं अभिषेक का कार्यक्रम आयोजित होगा। मंदिर पुजारी गणेश दुबे ने बताया कि श्रद्धालु पूजन सामग्री अपने घर से लेकर आए और स्वयं मिट्टी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान भोलेनाथ का पूजन करें। परिवार सहित शामिल होकर सभी इस दिव्य अनुष्ठान का पुण्य लाभ ले सकते हैं। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

सिसौदिया के निधन पर हुई शोकसभा

सोनकच्छ। गीता भवन परिवार के सदस्य रमेशचंद्र सिसौदिया के निधन पर गीता भवन ट्रस्ट, अध्यात्म मंडल एवं शास्त्री स्मृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गीता भवन में शोकसभा का आयोजन किया। जिसमें गोपाल मेहता, सुरेश भूतड़ा, सोभागसिंह ठाकुर, प्रमोद कुमार भावसार, ओमप्रकाश यादव, रणछोड़ लाल जाजू, कमल नागर आदि उपस्थित थे। सदस्यों ने सिसौदिया के गीता भवन एवं समाज के प्रति उनके समर्पित योगदान को याद किया एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्याम संकीर्तन का आयोजन 14 को

देवास। धार्मिक आस्था और भक्ति रस से सराबोर होने जा रहा है देवास शहर, जहां 14 फरवरी को जय माई की सामाजिक एवं धार्मिक सेवा समिति द्वारा कलश गार्डन देवास में भव्य श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के प्रसिद्ध भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी तथा राजस्थान की सुप्रसिद्ध भजन गायिका दिव्या ज्योति अपनी मधुर वाणी से बाबा श्याम और माँ की महिमा का गुणगान करेंगे।

थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न

जागरण, रहटगांव। आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि एवं रमजान को ध्यान रखते हुए थाना रहटगांव में गुरुवार को शांति समिति की बैठक रखी गई। बैठक में टिमरनी एसडीओपी आकांक्षा तलया, रहटगांव तहसीलदार देवशंकर धुर्वे, थाना प्रभारी मनोज दुवे सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। शांति समिति की बैठक में नगर के दोनों समुदाय के वरिष्ठ नागरिक तथा पत्रकार गण भी मौजूद रहे। इस दौरान आगामी त्यौहार शिवरात्रि, रमजान के संबंध में चर्चा की गई। नागरिकों द्वारा बताए गए बिंदुओं को सुना गया और व्यवस्था बनाने की बात कही। एसडीओपी एवं थाना प्रभारी द्वारा त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाए जाने हेतु समझाइश दी गई।

आक्रोशित रहवासियों ने एमआर-1 निर्माण के लिए निकाली रैली

चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा बनाई उग्र आंदोलन की चेतावनी

देवास। गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में रहवासी मास्टर प्लान में प्रस्तावित एमआर-1 निर्माण में हो रही देरी को लेकर सड़क पर उतरे और विरोध स्वरूप रैली निकाली। उल्लेखनीय है कि कैलादेवी चौराहा से बालगढ़ बायपास पर एमआर-1 प्रस्तावित है, जिसके निर्माण को लेकर पिछले कई वर्षों से चर्चा व राजनीतिक घोषणाएं हो रही है, किंतु हाल ही में रहवासियों को मीडिया व अन्य माध्यमों से जानकारी मिल रही है कि एमआर-1 का निर्माण अब खटाई में पड़ गया है। इस जानकारी के बाजार में आते ही दर्जनों कालोनी के रहवासी आक्रोशित हो गए और बुधवार की रात्रि में बद्रीधाम नगर में बड़ी संख्या में रहवासी एकत्रित हुए और एमआर-1 बनाओ समिति का गठन कर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की। इसी के तहत गुरुवार को सैकड़ों संख्या में रहवासी गीताश्री ड्रीम सिटी के समीप एकत्रित हुए और यहां से नारेबाजी करते हुए प्रस्तावित एमआर-1 से होते हुए कैलादेवी चौराहा पर पहुंचे। यहां रहवासियों ने कहा कि वर्षों से एमआर योजना पर सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे है, लेकिन काम शुरु हुआ है। उनका कहना था कि इस क्षेत्र में पड़ने वाली कालोनियों में प्लाट भी इसी आधार पर बेचे थे कि यहां से एमआर निकलेगा, जिससे रहवासियों को बायपास तक सुगमता तक पहुंचा जा सकेगा, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को तेज किया जाएगा।

20 कॉलोनियों के रहवासी हो रहे परेशान

एमआर-1 बनाओ समिति के अजय शुक्ला ने बताया कि एमआर-1 के लिए हम शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे है। हमारी मांग है कि वर्षा ऋतु से पूर्व इसका निर्माण किया जाए, क्योंकि वर्षा ऋतु में इस मार्ग से निकलना मुश्किल हो जाएगा। इसमें करीब 20 कालोनियां है, जिसमें करीब 25 हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसमें गौमती नगर, बद्रीधाम नगर, जवाहर नगर, बद्रीधाम एक्सटेंशन, प्रेम नगर, सम्यक विहार, गीताश्री ड्रीम सीटी, अंबे नगर सहित कई कालोनियां शामिल है।

माता मंदिर की पार्किंग से चोरी की बाइक जब्त

देवास। वाहन चोरी के मामले में पीपलरावां थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने इकलेरा माता मंदिर की पार्किंग से चोरी बाइक जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 31 जनवरी को फरियादी ने चौबाराधीरा चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 41 एनजी 5006 अज्ञात व्यक्ति द्वारा इकलेरा माता मंदिर की पार्किंग से चोरी हो गई। जिस पर पीपलरावां थाने पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी। जिसके तहत टीआई सुबोध कुमार गौतम ने तकनीकी साक्ष्यों के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। वहीं घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फूटेज खंगाली गई, जिसमें संदिग्ध युवक वाहन चोरी कर ले जाते दिखाई दिए। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और मिथुन पिता अंबार राम हाड़ा उम्र 26 वर्ष और उमेश पिता बने सिंह हाड़ा उम्र 26 वर्ष दोनों निवासी पीपलरावां को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी गई बाइक भी जब्त कर ली गई।

खनिज विभाग ने रेत से भरे दो ट्रैक्टर किए जब्त

देवास। कलेक्टर के आदेशानुसार और खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में सहायक खनिज अधिकारी राजकुमार वराठे और खनिज टीम द्वारा खातेगांव में अवैध उत्खनन व परिवहन करते नर्मदा घाट से रेत से भरे दो ट्रैक्टर जब्त किए है। वाहनों को जब्त किया जाकर हरणगांव थाने पर अभिरक्षा में खड़ा किया गया है। मामले में ट्रैक्टर मालिक व चालक दीपक पिता रामकिशोर निवासी ग्राम सीगांव और दूसरे ट्रैक्टर के अजय पिता श्रीराम निवासी ग्राम पुरानी खातेगांव के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में दिया धरना

देवास। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियन व कर्मचारी संगठनों द्वारा चार श्रम संहिता व तमाम मजदूर, कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ अखिल भारतीय हड़ताल के समर्थन में सिटी ट्रेड यूनियन काउंसिल देवास द्वारा स्थानीय एलआईसी शाखा में धरना प्रदर्शन किया। धरने को सिटी ट्रेड यूनियन काउंसिल संयोजक मोहन जोशी, मोरसिंह राजपूत, राजुल श्रीवास्तव, कैलाश राजपूत, नरेंद्र पिसाल, मकसूद पठान, कैलाश वर्मा, लाखन सिंह, महेश राजपूत, जयसिंह ठाकुर ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि यह आम हड़ताल एक ऐसे समय पर बुलाई गई है, जब सरकार मजदूरों के अथक संघर्ष से हासिल 44 श्रम कानूनों को मालिकों के पक्ष में चार संहिता के रूप में लागू कर दिया गया है। जिनके तहत मजदूरों के 8 घंटे काम के अधिकार को 12 घंटे कर दिया गया, उनको यूनियन बनाने, हड़ताल करने अपनी हक की बात कहने का अधिकार लगभग खत्म कर दिए गया है। स्थाई नौकरी की अवधारणा को खत्म कर हायर एंड फायर, फिक्स टर्म एम्प्लॉयमेंट के तहत ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा दिया गया है, लेबर कोर्ट को खत्म कर दिया गया है, 300 श्रमिक तक वाली कम्पनीयों को बंद करने से पहले सरकार की अनुमति लेने की आवश्यकता को खत्म कर दिया गया है, लेबर इंस्पेक्टर के पद को सह फैसलेटर बना दिया है, मजदूरों को मालिकों के शोषण के लिए छोड़ दिया है। हम इस हड़ताल को समर्थन देते हैं और सरकार से मांग करते हैं कि वह श्रमिकों व कर्मचारियों की तमाम मांगों को बिना शर्त शीघ्र पूरी करें व महंगाई, बेरोजगारी पर रोक लगाएं और सस्ती शिक्षा दे। धरना में सुरेश चौधरी, सुरेश गौतम, राजेंद्र मुकाती, जे.पी. शर्मा, आई.के. शर्मा, वर्षा सोलंकी, जानकीलाल मोदी, ईश्वर मोदी, सुभाष चौधरी, अमित सांगते, हरीश चौहान, जगदीश पिण्डलया, विद्या डूमोरे, विनोद अंतरीवाले आदि उपस्थित थे।

यह दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प एवं समर्पण का भी : चौधरी

खातेगांव। भाजपा के पितृ पुरुष पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि भाजपा मंडल खातेगांव में समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा पं. उपाध्याय के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। स्वागत भाषण समर्पण निधि संयोजक निखिल रारा ने दिया। इसके पश्चात भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर ने संबोधित करते हुए कहा कि पं. उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस दिन समर्पण निधि संग्रहण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व भाजपा जिला महामंत्री नरेंद्र चौधरी ने कहा कि पं. उपाध्याय का जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण, तपस्वी और राष्ट्र के प्रति पूर्णतः समर्पित था। उन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का पवित्र साधन माना। उनका संपूर्ण जीवन संगठन निर्माण, विचार विस्तार और अंत्योदय की भावना को समर्पित रहा। हम सब मिलकर यह प्रण लें कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को केवल शब्दों तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि अपने आचरण और कार्यशैली में उतारेंगे। कार्यक्रम में विधानसभा संयोजक डॉ. आर.एन. यादव एवं विधानसभा प्रभारी विरेंद्रसिंह राजावत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में दिनेश राबडिया, पंकज पटेल, पुरुषोत्तम व्यास, बलराम थोरी, राजेश गोस्वामी, मनोज यादव, आनंद चिंतामन, मंगल लोवंशी, जगदीश शेखावत, राहुल सांखला, सूरज यादव, जगदीश लोवंशी, कचरू सांवले, नंदकिशोर वर्मा, अतुल टेलर आदि उपर्स्थित थे। संचालन दीपक पटेल ने किया एवं आभार सुभाष साहू ने माना।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई

सोनकच्छ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे कुशाभाऊ ठाकरे ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आजीवन सहयोग निधि कार्यक्रम की शुरुआत की थी। आजीवन सहयोग निधि के माध्यम से कार्यकर्ता अपनी कमाई का कुछ हिस्सा पार्टी फंड में योगदान करते हैं, ताकि पार्टी सुचारू रूप से चलती रहे। उन्होंने एकात्म मानववाद और अंत्योदय का संदेश दिया था। यह संदेश पार्टी कार्यकर्ताओं और पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण विचारधारा है। यह बात भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर बुधवार को स्थानीय रेस्ट हाउस पर पिपलेश्वर नगर मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मंडल अध्यक्ष विजेंद्रसिंह मनासा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पंडितजी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की, जिसके बाद मंडल के कार्यकर्ताओं ने समर्पण राशि जमा की। पहले ही दिन करीब 1 लाख का समर्पण हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता महेश पाटीदार, रजतपाल सिंह, जितेंद्र सिंह धाकड़, संदीप गुप्ता, बबलू ठाकुर, विजेंद्र सिंह गोहिल, राहुल धाकड़ आदि उपस्थित थे।

शिव पार्वती विवाह में भक्तों ने किया कन्यादान

खातेगांव। नगर के अजनास रोड स्थित महाकाल गार्डन में बाबा भोलेनाथ मंदिर परिसर में चल रही शिव महापुराण कथा में शिव कथा का रसपान कराते हुए व्यास पीठ से पं. नित्यानंद शास्त्री वृंदावन धाम ने भगवान शिव पार्वती विवाह के चरित्र का वर्णन किया। इस अवसर पर यजमान मनीष पाराशर, जगदीश सोनी, मांगीलाल कीर, चंद्रशेखर पवार, संजय शर्मा, जेपीएस तोमर, नर्मदा प्रसाद सराठे, उमेश दुबे, शिवनारायण वर्मा, सुंदरलाल यादव, गोविंद पटेल, जगदीश यादव, रामदयाल रावड़िया, अनीता पारीक, सरोज खंडेलवाल आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। कथा परिसर में भगवान शिव पार्वती का विवाह उत्साह बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने कन्यादान भी किया।

आंदोलन : यूजीसी कानून के विरोध में आज निकलेगी शव यात्रा

देवास। केंद्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के माध्यम से लाए गए नए कानून के विरोध में देवास नगर के सवर्ण समाज में आक्रोश व्याप्त है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि यह कानून जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देता है। इसी के विरोध में देवास नगर के सवर्ण समाज के 19 संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। सभी संगठनों की मांग है कि उक्त कानून को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। अपनी मांग को लेकर देवास नगर के सामान्य वर्ग से जुड़े सभी समाज एवं संगठन 13 फरवरी को स्थानीय सयाजी द्वार पर एकत्रित होंगे। वहां से रैली के रूप में नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यूजीसी की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली जाएगी। रैली का समापन जवाहर चौक पर पुतला दहन एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। पं. आदित्य दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि सवर्ण समाज देवास द्वारा यूजीसी के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसमें इस कानून को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की जाएगी। इस आंदोलन को सर्व ब्राह्मण समाज, राजपूत समाज, वैश्य समाज, जैन समाज, कायस्थ समाज, सिख समाज, सिंधी समाज, क्षत्रिय मराठा समाज, महाराष्ट्रीय समाज, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, पोरवाल समाज, खंडेलवाल समाज, चित्तौड़ा समाज, यज्ञ सैनी समाज, मोढ़ वणिक समाज, सर्व समाज, विजयवर्गीय समाज, करणी सहित सामान्य वर्ग के विभिन्न समाजों एवं सामाजिक संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ है।

1500 मीटर दौड़ में आर्यन गुर्जर ने दूसरा स्थान पाया

हाटपीपल्या। डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम मुरैना में नेशनल स्तर पर आयोजित एथलेटिक्स 1500 मीटर दौड़ में ग्राम लिंबोदा के आर्यन पिता गोविंद गुर्जर ने भाग लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स में 12 प्रतिभागी अलग-अलग प्रांत से आए थे और उन्होंने 1500 मीटर की दौड़ में भाग लिया था। आर्यन गुर्जर ने नेशनल स्तर आयोजित 1500 मीटर दौड़ में भाग लेकर दूसरा स्थान प्राप्त करने पर उप सरपंच हुकम पाटीदार और अन्य लोगों ने आर्यन का पुष्पमाला से स्वागत किया और बताया कि नेशनल स्तर के एथलेटिक्स के आयोजन में भाग लेकर आर्यन ने गांव का नाम रोशन किया है।

पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दी श्रद्धांजलि

सोनकच्छ। नगर परिषद के पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं देवास जिले के पूर्व परियोजना अधिकारी रवि कुमार भट्ट के आकस्मिक निधन पर परिषद कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भट्ट का बुधवार को निधन हो गया था। वर्ष 2016 से सोनकच्छ नगर परिषद में सीएमओ पद पर पदस्थ रहे भट्ट अपनी सरल, मृदुभाषी व कार्यकुशल छवि के लिए जाने जाते थे। गुरुवार को आयोजित शोकसभा में कर्मचारियों और अधिकारियों ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। इस दौरान राजेश यादव, रोहित मनोरिया, इरशाद शेख, प्रकाश तिवारी, प्रकाश मंडोवरा, मानसिंह मनोरिया, लेखराज माली, रविन्द्र नायक, शिवचरण मनोरिया, अनिल चौहान, कुलदीप सोनी, महेश शिंदे, नईम खान आदि उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की।

सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरी पक्षकार आकांक्षा पाठक पिता किशोर पाठक निवासी -192, रानीबाग, देवास हैं। उनकी राजीव गांधी प्रोद्योगिक विश्वविद्यायलय, भोपाल के कॉलेज श्री अरविंदो इंस्टी. ऑफ फार्मेसी, इंदौर, की B.Pharma डिग्री जिसका रोल नं. 0879PY131006 एवं एनरोलमेंट नं. 08790PY131006 हैं, जो कि कहीं गुम हो गई है। अतः जिस किसी को भी यह डिग्री मिले वह निम्न पते पर संपर्क करें। दि. 12-02-2026

ठा. महेन्द्रसिंह जादौन- नोटरी एडव्होकेट
नि. 40, महालक्ष्मी नगर, ए.बी.रोड़, देवास
मो. 92298 33344